IJETIR

ISSN (Online) 2583-0554

International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)

Volume 4, Issue 3, March 2024

Impact Factor: 5.731

शैक्षिक असमानताओं में सामाजिक-आर्थिक स्थिति का प्रभाव: एक विस्तृत अध्ययन

अपर्णा कुमारी[1] डॉ. हरिश्चंद्र सिंह[2]

शोधार्थी, शिक्षा विभाग[1]

शोध पर्यवेक्षक, शिक्षा विभाग[2]

श्री जगदीशप्रसाद झाबरमल टिबरेवाला विश्वविद्यालय, झुंझुनू, राजस्थान

सार

असमान शैक्षिक परिणामों को जन्म देने वाली जटिल गतिशीलता की व्यापक समझ प्रदान करने के लिए, यह पेपर सामाजिक आर्थिक कारकों और शैक्षिक असमानताओं के बीच जटिल संबंधों की पड़ताल करता है। व्यक्तिगत और समाज दोनों की उन्नति निर्धारित करने में शिक्षा को एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में पहचानते हुए, अध्ययन उन तरीकों की जांच करने के लिए एक व्यापक विश्लेषणात्मक ढांचे का उपयोग करता है जिसमें विभिन्न सामाजिक आर्थिक कारक शिक्षा की उपलब्धता और क्षमता को प्रभावित करते हैं। अध्ययन में माता-पिता की शिक्षा, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, भौगोलिक स्थिति और आय स्तर जैसे सामाजिक-आर्थिक चर की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। यह इस बात पर भी गौर करता है कि ये तत्व कैसे एक-दूसरे से जुड़ते हैं, और नुकसान के विभिन्न पहलुओं के एक साथ आने पर होने वाले जटिल प्रभावों की पहचान करते हैं। इसके अलावा, अध्ययन का उद्देश्य उन संभावित मार्गों को इंगित करना है जो अकादमिक उपलब्धियों पर सामाजिक आर्थिक चर के प्रभाव को या तो कम या तीव्र करते हैं। इसमें संस्थागत नियमों, शिक्षा के बुनियादी ढांचे और जनता के दृष्टिकोण की जांच करना शामिल है जो असमानता को कम करता है या बढ़ाता है। यह अध्ययन शैक्षिक असमानताओं के अंतर्निहित कारणों से निपटने के लिए केंद्रित हस्तक्षेप बनाने के लिए हितधारकों, शिक्षकों और नीति निर्माताओं की अंतर्दृष्टि प्रदान करने के प्रयास में एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाता है।

खोजशब्द: सामाजिक-आर्थिक कारक, शैक्षिक असमानताएँ, भारतीय शिक्षा

परिचय

यह आमतौर पर ज्ञात है कि शिक्षा सामाजिक उन्नति और व्यक्तिगत सशक्तिकरण दोनों के लिए आवश्यक है। फिर भी, समान अवसर के विचार को लगातार शैक्षिक असमानताओं द्वारा चुनौती दी जा रही है, जिसके परिणामस्वरूप उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा तक पहुंच के मामले में विभिन्न जनसांख्यिकीय समूहों के लिए

Copyright to IJETIR

IJETIR
ISSN (Online) 2583-0554
International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)
Volume 4, Issue 3, March 2024
Impact Factor: 5.731

अलग-अलग परिणाम सामने आते हैं। इन असमानताओं को पैदा करने वाले कई कारकों में से सामाजिक-आर्थिक कारक विशेष रूप से महत्वपूर्ण और जटिल हैं। असमान शैक्षिक अनुभवों में अंतर्निहित गतिशीलता के जटिल नेटवर्क को सुलझाने के लिए, यह पेपर शैक्षिक असमानताएं पैदा करने में सामाजिक-आर्थिक कारकों की भूमिका का गहन विश्लेषण करता है। (क्रूज़, आर. ए., और फायरस्टोन, ए. आर. 2022)।

सामाजिक आर्थिक कारकों का शिक्षा पर जटिल प्रभाव पड़ता है; इनमें माता-पिता की शिक्षा, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, भौगोलिक स्थिति और आय जैसे कई कारक शामिल हैं। ये चर व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के अवसरों में अंतराल पैदा करने के लिए जटिल तरीकों से बातचीत करते हैं जो अकादमिक प्रदर्शन से परे जाते हैं। शैक्षिक असमानताओं के अंतर्निहित कारणों की पहचान करने और व्यावहारिक समाधान विकसित करने के लिए, इन घटकों की परस्पर निर्भरता को स्वीकार करना महत्वपूर्ण है।

जैसे-जैसे समाज बदल रहा है, सामाजिक आर्थिक स्थिति और शैक्षिक परिणामों के बीच संबंध अधिक जटिल होता जा रहा है। भले ही शैक्षिक पहुंच को बढ़ावा देने में सुधार हुए हैं, असमानताओं की निरंतरता वर्तमान नीतियों की प्रभावकारिता और अधिक केंद्रित हस्तक्षेपों की आवश्यकता पर सवाल उठाती है। इन अंतरालों को पाटने के लिए, वर्तमान अध्ययन सामाजिक न्याय और शिक्षा में समान अवसर के मुद्दों को संबोधित करने में शामिल जटिलता को स्वीकार करता है और सामाजिक आर्थिक कारकों और शैक्षिक असमानताओं के बीच संबंधों का गहन विश्लेषण प्रदान करता है। (गुडमैन, ई. 1999)। यह कार्य अनुभवजन्य अनुसंधान, सांख्यिकीय विश्लेषण और सैद्धांतिक ढांचे के संयोजन का उपयोग करके उन तंत्रों को स्पष्ट करने का प्रयास करता है जिनके द्वारा सामाजिक आर्थिक कारक शैक्षिक प्रक्षेपवक्र को प्रभावित करते हैं। एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाते हुए, अध्ययन न केवल मतभेदों का पता लगाता है बल्कि उन अंतर्निहित रूपरेखाओं और तंत्रों का भी पता लगाता है जो या तो उन्हें पैदा करते हैं या कम करते हैं। स्पष्ट से परे, अध्ययन नुकसान की अंतर्संबंधता और उन तरीकों को ध्यान में रखता है जिनमें सामाजिक-आर्थिक स्थिति के विभिन्न पहलू शैक्षिक अनुभवों को प्रभावित करने के लिए परस्पर क्रिया करते हैं। (माजी, के., और सरकार, एस. 2018)।

अंत में, इस संपूर्ण विश्लेषण का लक्ष्य हितधारकों, शिक्षकों और विधायकों को साक्ष्य-आधारित नीतियां विकसित करने में मदद करना है जो शैक्षिक असमानता के अंतर्निहित कारणों का समाधान करती हैं। यह अध्ययन सामाजिक आर्थिक कारकों और शैक्षिक परिणामों के बीच जटिल संबंधों का विश्लेषण करके समावेशी शिक्षा पर बड़ी बातचीत में योगदान देता है। यह मौजूदा मुद्दों की गहरी समझ को बढ़ावा देने में मदद करता है और सभी के लिए अधिक न्यायसंगत और सुलभ शैक्षिक अवसरों के द्वार खोलता है।

सामाजिक-आर्थिक संकेतक एवं शिक्षा

घटकों की एक विस्तृत श्रृंखला जो लोगों, परिवारों या समुदायों की वित्तीय और सामाजिक स्थिति का प्रतिनिधित्व करती है, उन्हें सामाजिक आर्थिक कारक कहा जाता है। ये तत्व जीवन के कई पहलुओं, जैसे

IJETIR
ISSN (Online) 2583-0554
International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)
Volume 4, Issue 3, March 2024
Impact Factor: 5.731

शैक्षिक अवसर और परिणाम, को निर्धारित करने में बहुत महत्वपूर्ण हैं। विभिन्न सामाजिक-आर्थिक कारकों की विस्तृत व्याख्या निम्नलिखित है:

1. आय स्तर: "आय स्तर" शब्द किसी व्यक्ति या परिवार के उपलब्ध वित्तीय संसाधनों का वर्णन करता है; इसे आमतौर पर नौकरियों, निवेश या अन्य स्रोतों से कमाई के संदर्भ में व्यक्त किया जाता है। अच्छे स्कूल, ट्यूशन और पाठ्येतर गतिविधियों जैसे शैक्षिक संसाधनों तक सीमित पहुंच अक्सर निम्न आय स्तर से जुड़ी होती है। शैक्षिक संसाधनों को खरीदने और संवर्धन गतिविधियों में भाग लेने की क्षमता भी वित्तीय सीमाओं से प्रभावित हो सकती है। कम आय वाले परिवारों को प्रौद्योगिकी, स्कूल आपूर्ति और पाठ्यपुस्तकों जैसी शैक्षिक आपूर्ति के लिए भुगतान करना मुश्किल हो सकता है। (टेलर, एस., और यू, डी. 2009)। वित्तीय बाधाओं के कारण पाठ्येतर गतिविधियों, शैक्षिक क्षेत्र यात्राओं और अन्य समृद्ध अनुभवों में भागीदारी प्रतिबंधित हो सकती है। कम आय वाले परिवारों के पास उच्च गुणवत्ता वाली प्रारंभिक बचपन की शिक्षा और बाल देखभाल सेवाओं तक सीमित पहुंच हो सकती है।

2. माता-पिता की शिक्षा: किसी बच्चे के माता-पिता या अभिभावकों की शैक्षिक पृष्ठभूमि को माता-पिता की शिक्षा कहा जाता है। जिन माता-पिता ने अधिक शिक्षा पूरी कर ली है, वे शिक्षा को अधिक प्राथमिकता देते हैं और इसे महत्व देते हैं, जो शैक्षणिक उपलब्धि का समर्थन करने वाले वातावरण को बढ़ावा देता है। इसके अतिरिक्त, वे अपने बच्चों को उनकी स्कूली शिक्षा में सहायता करने के लिए आवश्यक जानकारी और उपकरणों से लैस हो सकते हैं, जिसमें उनके होमवर्क में मदद करना या सिस्टम को नेविगेट करना शामिल है। उच्च शिक्षित माता-पिता अक्सर शिक्षा के महत्व पर जोर देते हैं और अपने बच्चों की शिक्षा में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। पीटीए बैठकों और अभिभावक-शिक्षक सम्मेलनों जैसे स्कूल कार्यक्रमों में बढ़ती भागीदारी उच्च अभिभावकीय शिक्षा से जुड़ी है। उच्च शिक्षा स्तर वाले माता-पिता के पास अक्सर अपने बच्चों को बुद्धिमान शैक्षिक विकल्प चुनने में मदद करने के लिए आवश्यक संसाधन और विशेषज्ञता होती है।

3. व्यावसायिक स्थिति: किसी व्यक्ति की व्यावसायिक स्थिति इंगित करती है कि वे किस प्रकार का काम करते हैं और वे कार्यबल के पदानुक्रम में कहां हैं। माता-पिता के पास अपने बच्चों की शिक्षा के लिए जो समय और संसाधन उपलब्ध हैं, वे उनके व्यवसाय से प्रभावित हो सकते हैं। कम वेतन या परिवर्तनशील कार्य शेड्यूल माता-पिता के लिए अपने बच्चों के शैक्षणिक प्रयासों में सक्रिय रूप से समर्थन करना कठिन बना सकते हैं।

4. धन और संपत्ति: ऋण को घटाकर संपत्ति (जैसे निवेश और अचल संपत्ति) के कुल मूल्य को धन कहा जाता है। उच्च आय वाले परिवारों को अधिक विशिष्ट शिक्षा कार्यक्रमों, शैक्षिक प्रौद्योगिकी और निजी शिक्षण तक पहुंच हो सकती है। पड़ोस और स्कूलों का स्तर जहां बच्चे पढ़ सकते हैं, धन से भी प्रभावित हो सकता है।

IJETIR
ISSN (Online) 2583-0554
International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)
Volume 4, Issue 3, March 2024
Impact Factor: 5.731

5. अमीर परिवार ट्यूशन, शैक्षिक प्रौद्योगिकी और निजी शिक्षा पर अधिक खर्च कर सकते हैं। शीर्ष स्तर के स्कूलों तक पहुंच अक्सर अमीर पड़ोस में घर के स्वामित्व से संबंधित होती है। अमीर लोग शिक्षा की लागत वहन कर सकते हैं क्योंकि उनके पास पैसे का सुरक्षा जाल है।

6. सांस्कृतिक पृष्ठभूमि: जातीयता, भाषा और सांस्कृतिक रीति-रिवाज विभिन्न घटकों के कुछ उदाहरण हैं जो किसी की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि बनाते हैं। सांस्कृतिक विविधताएं शिक्षा की अपेक्षाओं और मूल्यों पर प्रभाव डाल सकती हैं। शैक्षणिक प्रदर्शन भाषा बाधाओं से प्रभावित हो सकता है, और शिक्षा और करियर विकल्पों के संबंध में दृष्टिकोण सांस्कृतिक मानदंडों द्वारा आकार ले सकते हैं (ओलान, आर. 2013)। कैरियर संबंधी निर्णय और शैक्षिक लक्ष्य सांस्कृतिक मानदंडों और मूल्यों से प्रभावित हो सकते हैं। भाषा संबंधी बाधाओं के कारण शैक्षणिक उपलब्धि बाधित हो सकती है, विशेषकर उन छात्रों के लिए जिनकी पहली भाषा शिक्षा के लिए उपयोग की जाने वाली भाषा से भिन्न होती है। एक स्वागतयोग्य और उत्साहवर्धक शिक्षण वातावरण स्थापित करने के लिए सांस्कृतिक मतभेदों को समझना आवश्यक है।

7. भौगोलिक स्थिति: किसी व्यक्ति या परिवार की भौगोलिक स्थिति वह होती है जहां वे रहते हैं। किसी के स्थान के आधार पर, उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा तक पहुंच में बड़ा अंतर हो सकता है। शहरी क्षेत्र व्यापक प्रकार के शैक्षिक अवसर प्रदान कर सकते हैं, जबकि ग्रामीण क्षेत्र शिक्षा के लिए बुनियादी ढांचे की कमी से जूझ सकते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है उनमें से एक अनुभवी शिक्षकों, पाठ्येतर गतिविधियों और उन्नत पाठ्यक्रम तक पहुंच की कमी है। हालाँकि शहरी क्षेत्रों में कई अलग-अलग शैक्षिक विकल्प हैं, फिर भी विभिन्न पड़ोस के स्कूलों के बीच अंतर हो सकता है। आप जहां रहते हैं उसके आधार पर, स्कूलों में उपयोग की जाने वाली प्रौद्योगिकी और पुस्तकालयों के मानक में अंतर हो सकता है।

8. सामाजिक पूंजी: लोगों या परिवारों के नेटवर्क, रिश्ते और सामाजिक संबंधों को सामाजिक पूंजी कहा जाता है। शिक्षकों, आकाओं या पड़ोस के संसाधनों के साथ संबंध स्थापित करके, मजबूत सामाजिक पूंजी वाला व्यक्ति शैक्षिक अवसरों तक पहुंच प्राप्त कर सकता है। इसके अलावा, नेटवर्किंग शिक्षा के बाद के अवसरों और करियर परामर्श में मदद कर सकती है। छात्र अपने नेटवर्क और कनेक्शन के माध्यम से सलाहकारों, इंटर्नशिप और शैक्षिक अवसरों तक पहुंचने में सक्षम हो सकते हैं। संपर्क वाले लोग आपको शैक्षिक प्रणाली को नेविगेट करने और आपके पाठ्यक्रमों और करियर के बारे में बुद्धिमानीपूर्ण निर्णय लेने में मदद करने में सक्षम हो सकते हैं। पारंपरिक कक्षा के बाहर शैक्षिक संसाधनों तक पहुंच सामाजिक पूंजी से प्रभावित हो सकती है।

IJETIR
ISSN (Online) 2583-0554
International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)
Volume 4, Issue 3, March 2024
Impact Factor: 5.731

सामाजिक आर्थिक कारक और शैक्षिक असमानताएँ

1. शैक्षिक संसाधनों तक पहुंच: उच्च सामाजिक आर्थिक वर्ग के परिवार प्रौद्योगिकी, ट्यूशन सेवाओं और पाठ्यपुस्तकों जैसे शैक्षिक संसाधनों का खर्च उठा सकते हैं। निम्न-आय वाले परिवारों के लिए ये संसाधन उपलब्ध कराना कठिन हो सकता है, जिसके परिणामस्वरूप शैक्षणिक सहायता में अंतर हो सकता है।

2. प्रारंभिक बचपन की शिक्षा की गुणवत्ता: उच्च गुणवत्ता वाली प्रारंभिक बचपन की शिक्षा की उपलब्धता सामाजिक-आर्थिक कारकों से प्रभावित होती है, जो औपचारिक शिक्षा के लिए बच्चे की तैयारी को भी प्रभावित करती है। प्रारंभिक बचपन की उपस्थिति और शैक्षिक संवर्धन में अंतर के कारण मूलभूत कौशल की कमियाँ बढ़ सकती हैं।

3. शैक्षिक अवसंरचना: अमीर इलाकों में अक्सर अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे, अत्याधुनिक तकनीक और व्यापक पाठ्येतर कार्यक्रम के साथ बेहतर वित्त पोषित स्कूल होते हैं। इन संसाधनों की कमी से निम्न-आय वाले क्षेत्रों में छात्रों के समग्र शैक्षिक अनुभवों पर प्रभाव पड़ सकता है।

4. माता-पिता की भागीदारी: बच्चे की शिक्षा में माता-पिता की भागीदारी, जैसे स्कूल समारोहों में उपस्थिति और माता-पिता-शिक्षक संघों में भागीदारी, अक्सर उच्च सामाजिक आर्थिक स्थिति से जुड़ी होती है। काम की माँगों और कम शैक्षिक प्राप्ति के परिणामस्वरूप सीमित समय के कारण निचले सामाजिक-आर्थिक समूहों में माता-पिता की व्यस्तता में बाधा आ सकती है।

5. उन्नत पाठ्यक्रमों तक पहुंच: सम्मान कार्यक्रमों, विशेष शैक्षिक ट्रैक और उन्नत प्लेसमेंट (एपी) पाठ्यक्रमों तक पहुंच अमीर पृष्ठभूमि के छात्रों के लिए अधिक आसानी से उपलब्ध हो सकती है। शैक्षणिक संवर्धन के अवसरों की कमी कम आय वाले छात्रों की कॉलेज प्रवेश में प्रतिस्पर्धात्मकता में बाधा बन सकती है।

6. पाठ्येतर गतिविधियाँ: अमीर परिवार कई प्रकार की पाठ्येतर गतिविधियों पर पैसा खर्च कर सकते हैं, जो खेल, संगीत पाठ और कला कक्षाओं जैसे कौशल विकास के नए अवसर खोलते हैं। निम्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के छात्रों को सीमित वित्तीय संसाधनों के कारण पाठ्येतर गतिविधियों में भाग लेना मुश्किल हो सकता है।

7. सांस्कृतिक पूंजी: शिक्षा के प्रति दृष्टिकोण सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से प्रभावित होता है; कुछ संस्कृतियों में, शैक्षणिक उपलब्धि को दूसरों की तुलना में अधिक महत्व दिया जाता है। सांस्कृतिक पूंजी में असमानताएं एक छात्र के आत्मविश्वास, प्रेरणा और सीखने के माहौल में अपनेपन की भावना को प्रभावित कर सकती हैं।

8. डिजिटल विभाजन: अमीर परिवारों के पास कंप्यूटर, हाई-स्पीड इंटरनेट और डिजिटल शिक्षण संसाधनों तक पहुंच होने की अधिक संभावना है, जो सभी डिजिटल विभाजन में योगदान करते हैं। निम्न-आय वाले परिवारों के छात्रों के लिए ऑनलाइन शिक्षण और अनुसंधान में संलग्न होना अधिक कठिन हो सकता है यदि उनके पास प्रौद्योगिकी तक सीमित पहुंच है।

IJETIR
ISSN (Online) 2583-0554
International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)
Volume 4, Issue 3, March 2024
Impact Factor: 5.731

अधिक न्यायसंगत भविष्य के लिए कार्रवाई योग्य कदम

1. **समान फंडिंग:** बुनियादी ढांचे की असमानताओं को दूर करने के लिए, समान फंडिंग मॉडल और नीतियों की वकालत महत्वपूर्ण है। यह गारंटी देना आवश्यक है कि शैक्षणिक संस्थान, चाहे वे किसी भी स्थान या सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के हों, उनके पास पर्याप्त संसाधन हों।

2. **सामुदायिक जुड़ाव:** सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि के बावजूद, शिक्षा में अधिक से अधिक माता-पिता की भागीदारी को बढ़ावा देने और सक्षम करने से एक सहायक सीखने का माहौल बनाने में मदद मिल सकती है और शैक्षणिक परिणामों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

3. **बढ़े हुए अवसर:** उन्नत कक्षाओं, स्कूल के बाद के कार्यक्रमों और डिजिटल संसाधनों में नामांकन बढ़ाने के प्रयास असमानताओं को कम कर सकते हैं और समावेशी शिक्षण वातावरण को बढ़ावा दे सकते हैं।

4. **सांस्कृतिक योग्यता प्रशिक्षण:** शिक्षकों को सांस्कृतिक योग्यता प्रशिक्षण प्रदान करने से एक समावेशी कक्षा के विकास में मदद मिल सकती है जो संस्कृति में विविधता को महत्व देती है और उसका जश्न मनाती है।

5. **मेंटरशिप और मार्गदर्शन कार्यक्रम:** मेंटरशिप और मार्गदर्शन कार्यक्रम स्थापित करने से छात्रों, विशेष रूप से वंचित समुदायों के छात्रों को अपनी माध्यमिक शिक्षा और करियर पथ चुनने के लिए आवश्यक ज्ञान और सहायता प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।

6. पक्षपातपूर्ण प्रवेश प्रक्रियाओं और मानकीकृत परीक्षा परिणामों जैसे प्रणालीगत अन्याय से निपटने वाले नीतिगत परिवर्तनों की वकालत करने से अधिक न्यायसंगत और न्यायसंगत शैक्षिक प्रणाली बनाने में मदद मिल सकती है।

विचार विमर्श और निष्कर्ष

शैक्षिक असमानताओं में सामाजिक-आर्थिक कारकों की भूमिका को देखने से शैक्षिक परिदृश्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालने वाली एक जटिल और परस्पर जुड़ी हुई टेपेस्ट्री का पता चलता है। जब हम इस समस्या के कई पहलुओं पर काम करते हैं तो यह स्पष्ट है कि असमानताएँ एकल घटनाओं के बजाय सामाजिक और आर्थिक संरचनाओं की प्रणालीगत अभिव्यक्तियाँ हैं। हमने इस गहन जांच में कई सामाजिक-आर्थिक कारकों के प्रभावों और व्यक्तियों और समुदायों के रूप में लोगों पर उनके प्रभावों की जांच की है। (कुमार, डी., प्रताप, बी., और अग्रवाल, ए. 2021)। आइए अब सबसे महत्वपूर्ण अनुभूतियों पर विचार करें और अधिक निष्पक्ष शैक्षिक प्रणाली को बढ़ावा देने के लिए ठोस उपायों की एक सूची प्रदान करें। भिन्न शैक्षिक प्रक्षेपवक्र शैक्षिक संसाधनों की उपलब्धता और प्रारंभिक बचपन की शिक्षा की गुणवत्ता में अंतर के कारण होते हैं। शुरू से ही समान अवसरों को बढ़ावा देने के लिए इन शुरुआती अंतरालों को पाटने की आवश्यकता है। आर्थिक असमानताओं का शैक्षिक बुनियादी ढांचे पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है, जो बदले में सीखने के अनुभव को आकार देता है। विभेदित शैक्षिक परिणाम वित्त पोषण असमानताओं का परिणाम हैं, जो प्रणालीगत

IJETIR
ISSN (Online) 2583-0554
International Journal of Emerging Technologies and Innovative Research (IJETIR)
Volume 4, Issue 3, March 2024
Impact Factor: 5.731

असमानता को भी बनाए रखते हैं। शिक्षा में माता-पिता की भागीदारी के महत्व को बढ़ा-चढ़ाकर बताना असंभव है। माता-पिता की अधिक भागीदारी अक्सर उच्च सामाजिक-आर्थिक स्थिति से जुड़ी होती है, जिसका छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन और सामान्य कल्याण पर प्रभाव पड़ता है। (कुमार, डी., प्रताप, बी., और अग्रवाल, ए. 2021)। एक छात्र की प्रगति उन्नत पाठ्यक्रमों, पाठ्येतर गतिविधियों और डिजिटल संसाधनों तक उनकी पहुंच से सीधे प्रभावित होती है। इन असमानताओं को दूर करने के लिए बौद्धिक और तकनीकी प्रगति के मामले में समान स्तर लाने के लिए लक्षित हस्तक्षेप की आवश्यकता है।

शैक्षिक मूल्यों और अपेक्षाओं पर सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रभाव को स्वीकार करना अनिवार्य है। विविध समुदायों के भीतर कम उम्मीदें और सांस्कृतिक पूंजी अंतराल को बंद करने से छात्र प्रेरणा और प्रदर्शन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। संक्षेप में, नीति निर्माताओं, शिक्षकों, समुदायों और व्यक्तियों को सामाजिक-आर्थिक कारकों से प्रभावित शैक्षिक असमानताओं को दूर करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। (सिंह, ए.के., और नारायणन, वी.एच. 2023)। इन मतभेदों की परस्पर निर्भरता को स्वीकार करते हुए और केंद्रित उपायों को क्रियान्वित करके, हमारा लक्ष्य एक शैक्षिक वातावरण स्थापित करना है जिसमें सभी छात्र, उनकी वित्तीय स्थिति के बावजूद, सफल हो सकें। नैतिक रूप से आवश्यक होने के अलावा, समानता की ओर यह यात्रा अधिक समृद्ध और शांतिपूर्ण भविष्य की आशा में विभिन्न क्षमताओं और दृष्टिकोणों के विकास में समाज द्वारा किया गया एक निवेश भी है।

संदर्भ

1. बालाज, एम., यॉर्क, एच.डब्ल्यू., श्रीपदा, के., बेसनीयर, ई., वोनेन, एच.डी., अरवकिन, ए. और ईकेमो, टी.ए. (2021) माता-पिता की शिक्षा और बाल मृत्यु दर में असमानताएँ: एक वैश्विक व्यवस्थित समीक्षा और मेटा-विश्लेषण। द लांसेट, 398(10300), 608-620।
2. क्रूज़, आर.ए., और फायरस्टोन, ए.आर. (2022) खाली बैकपैक को समझना: असंगत विशेष शिक्षा पहचान में समय की भूमिका। नस्ल और जातीयता का समाजशास्त्र, 8(1), 95-113।
3. गुडमैन, ई. (1999) अमेरिकी किशोरों के स्वास्थ्य में अंतर को समझाने में सामाजिक आर्थिक स्थिति ढाल की भूमिका। अमेरिकन जर्नल ऑफ पब्लिक हेल्थ, 89(10), 1522-1528।
4. कुमार, आई., और चौधरी, आई. आर. (2021) भारत में छाया शिक्षा: भागीदारी और सामाजिक आर्थिक निर्धारक। जर्नल ऑफ़ साउथ एशियन डेवलपमेंट, 16(2), 244-272.
5. कुमार, डी., प्रताप, बी., और अग्रवाल, ए. (2021) भारत में प्रारंभिक से माध्यमिक शिक्षा तक छात्रों की प्रगति में लिंग अंतर: कौन बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं? नीति और व्यवहार के लिए शैक्षिक अनुसंधान, 1-25।

6. किम, एस. डब्ल्यू., चो, एच., और किम, एल. वाई. (2019) विकासशील देशों में सामाजिक आर्थिक स्थिति और शैक्षणिक परिणाम: एक मेटा-विश्लेषण। शैक्षिक अनुसंधान की समीक्षा, 89(6), 875-916।
7. माजी, के., और सरकार, एस. (2018) कुछ चयनित मौजों में विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच शैक्षिक प्राप्ति का तुलनात्मक विश्लेषण
8. बांकुरा जिले, पश्चिम बंगाल, भारत का साल्टोरा सीडी ब्लॉक: एक अनुभवजन्य अध्ययन। अंतरिक्ष और संस्कृति, भारत, 6(1), 72-90।
9. ओहलान, आर. (2013) भारत में सामाजिक-आर्थिक विकास में क्षेत्रीय असमानताओं का पैटर्न: जिला स्तरीय विश्लेषण। सामाजिक संकेतक अनुसंधान, 114, 841-873।
10. रसूल, आर., मिफ्ता-उल-शफीक, पी. ए., और सिंह, एच. (2016)। जम्मू और कश्मीर, भारत में शैक्षिक विकास के स्तर में असमानताएँ: एक जिलावार विश्लेषण। इंटरनेशनल रिसर्च जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज, 5, 19-24।
11. सुब्रमण्यम, एम. ए., कावाची, आई., बर्कमैन, एल. एफ., और सुब्रमण्यम, एस. वी. (2010) भारत में बचपन के अल्पपोषण में सामाजिक आर्थिक असमानताएँ: 1992 और 2005 के बीच रुझानों का विश्लेषण। प्लस वन, 5(6), ई11392।
12. सिंह, आर.के., राठी, जे., गुप्ता, एस., सैनी, ए.के., और कादरी, ए.के. (2023) शिक्षा प्रणाली में सामाजिक समानता पर एक अध्ययन: भारतीय शिक्षा प्रणाली के संदर्भ में खोजपूर्ण अध्ययन। कला और मानविकी में अनुसंधान के लिए एकीकृत जर्नल, 3(4), 169-174।
13. सिंह, ए.के., और नारायणन, वी.एच. (2023) क्या भारतीय शिक्षा प्रणाली में कोई आदर्श परिवर्तन हो सकता है? राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने में सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों का विश्लेषण। पर्टनिका जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज एंड ह्यूमैनिटीज, 31(2)।
14. टेलर, एस., और यू, डी. (2009) दक्षिण अफ्रीका में शैक्षिक उपलब्धि निर्धारित करने में सामाजिक-आर्थिक स्थिति का महत्व। अप्रकाशित वर्किंग पेपर (अर्थशास्त्र)। स्टेलनबोश: स्टेलनबोश विश्वविद्यालय, 33-47।
15. वार्ड, ई., जेमल, ए., कोकिनाइड्स, वी., सिंह, जी.के., कार्डिनेज, सी., गफूर, ए., और थून, एम. (2004) जाति/जातीयता और सामाजिक-आर्थिक स्थिति के आधार पर कैंसर संबंधी असमानताएँ। सीए: चिकित्सकों के लिए एक कैंसर जर्नल, 54(2), 78-93।